

68

उत्तराखण्ड शासन,  
न्याय अनुभाग-2

संख्या-163/दो(8)/XXXVI(2)/2011-119-दो(8)/2011  
देहरादून : दिनांक /5 मार्च, 2011

कार्यालय ज्ञाप

वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश/कार्यालय ज्ञाप संख्या-498/ XXVII (1)/2007, दिनांक 05-06-2007 के प्रस्तर-3(3) में प्राविधानित है कि किसी परियोजना/कार्य को व्यय वित्त समिति के समक्ष प्रस्तुत करने से पूर्व परीक्षणार्थ प्रत्येक प्रशासनिक विभाग के स्तर पर संबंधित प्रमुख सचिव/सचिव की अध्यक्षता में विभागीय समिति का गठन किया जायेगा।

2- उक्त शासनादेश में की गई उपरोक्त व्यवस्था के क्रम में, व्यय वित्त समिति को सन्दर्भित किये जाने से पूर्व परियोजनाओं/कार्यों के प्रस्तावों/आगणनों के विश्लेषणात्मक परीक्षण हेतु न्याय विभाग के अन्तर्गत निम्नवत समिति का गठन किया जाता है :-

- |    |   |         |
|----|---|---------|
| 1- | प्रमुख सचिव, न्याय विभाग, उत्तराखण्ड शासन   | अध्यक्ष |
| 2- | निदेशक, उत्तराखण्ड न्यायिक एवं विधिक अकादमी, भवाली, जिला नैनीताल  | सदस्य   |
| 3- | अधिशाली अभियन्ता, कार्यदायी संस्था  | सदस्य   |
| 4- | अधीक्षण अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग/पेयजल/सिंचाई, देहरादून<br>अथवा उनके द्वारा नामित अभियन्ता, जो अधिशाली अभियन्ता स्तर से<br>अन्यून हो | सदस्य   |

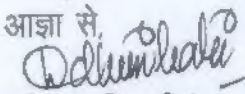
इसके अतिरिक्त उक्तानुसार गठित समिति द्वारा योजना/परियोजना/अनावर्तक आदि मदों के सम्बन्ध में उक्त शासनादेश के प्रस्तर-3(3) के बिन्दु-(क) से (थ) का भी औचित्यपूर्ण परीक्षण किया जायेगा।

( डी०पी० गैरोला )  
प्रमुख सचिव।

संख्या: 163 / (1) / XXXVI(2) / 2011, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- प्रमुख सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- प्रमुख सचिव, वन एवं पर्यावरण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- उक्तानुसार गठित समिति के नामित सदस्यगण।
- 7- निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून को इस अनुरोध के साथ कि न्याय विभाग के जी०ओ० में इसे शामिल करें।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
  
( धर्मेन्द्र सिंह अधिकारी )  
संयुक्त सचिव।